R0681 1497 दानपत्र रैयती 45000/ आलम 1587 3620/1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. भारत R$ 1000

सत्यमेव जयते

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

8

[illegible] अधिनियम २१ तथा [illegible] अधिनियम १९०८ की धारा [illegible] भारतीय स्टाम्प अधिनियम [illegible] की अनुसूची १-क, १० ख ३३(ii) [illegible]

Stamp duty Paid under the I. R. Act. of 19-8 26200
Adl Stamp duty paid under the I. M. Act. 1950 900-00

3500-00

दिनांक 19/2/2003

स्टा॰ 1800-00
~~स्टा॰ 36-00~~
कैपिटल 500-00
सलामी 2-50
तलबाना 0-94
रु॰ 2339-44

19-2-2003

(१) [redacted]

अंगूठा निशान श्रीमति सुहागिन देवी पति स्व॰ राम किशोर राम जाति कलवार पिआहुत, निवास मौजा कुण्ड महल्ला हमीदगंज शहर वो थाना वो पो॰-ऑ॰ डालटनगंज, जिला - पलामू पेशा- गृहिणी —— भारतीय।

उल्लेखनीय नाम स्व॰ राम किशोर राम के पढ़ाके 69 दि॰ 27-1-03 के द्वारा बिक्री की अनुमति प्राप्त

(२) लेख्यधारी का नाम वो पता:-

श्री विजय कृष्ण पिता स्व॰ राम किशोर राम जाति कलवार पिआहुत निवास मौजा कुण्ड महल्ला हमीदगंज शहर वो थाना वो पो॰ डालटनगंज जिला-पलामू, पेशा-व्यापार —— भारतीय।

आधा बकरी 34 एवं 35 दि॰ 19-2-03

हमी सुहागिन देवी सभा के डिक्लील (2¼ डी)
परती जमीन बकशीश किया और उसका
मजमून काबिल है पढ़वाकर कुल बिक्री
लिखा। मौजा कुण्ड वार्ड नं० 13 मु० हमीदगंज
का बाकलम विमल किशोर कुशवाहा 27/01/03
सही सुहागिन सही विमल किशोर कुशवाहा
मेरे सामने सुहागिन देवी ने बायां अंगूठा का
निशान बनाया। 27.01.03.

पहचान
विमल किशोर कुशवाहा
पिता स्व॰ नागेश्वर प्रसाद, हमीदगंज, डालटनगंज, पलामू
27.01.03

1000 RS.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

8

(३) लेख्य प्रकार:-(२)

बख्शीश नामां (दान-पत्र)

(४) निर्धारित मूल्य पाने मालियत | मो० ४५000) पैंतालीस हजार रुपये

(५) सम्पत्ति शय बखशीश नामां:-

मवाजी- ०-०२ है सवा दो डीशमील जमीन परती बारी का अंश जो लेख्यकारिणी के मकान से सटे आतीव पुरब तरफ है और जो यूह निर्माण योग्य भूमि है जो क्षेत्र फल में लगभग चौकोर याने चारों कोना बराबर- है, वाके मौजा कुण्ड मुहल्ला हमीदगंज अन्दर नगर पालिका वार्ड नं० 13 (तेरह) थाना डालटनगंज जिला- पलामू। हलीयत जादिगी रैयती बजरिए बसीका नं० - ३६५, दिनांक - २१-१-१९४३ ई० से लेख्यकारिणी के स्वत्व से हासील है और जिस पर लेख्यकारिणी कायम व काबीज दखील चली आती है और है।

हस्ताक्षर (पुलिन दे) द्वारा विमल किशोर सहाय 27.01.03

Witnessed by Bimal Dev Nibey Pathonyoni Palamu 27/1/03

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(3)

इलाके रजिस्ट्री ऑफीस की
जिला रजिस्ट्री ऑफीस-
मोकाम डालटनगंज जिला-
पलामू, पाट होल्डिंग शम
बख्शीश करते हैं
हस्ब तसरीह की चौहद्दी
मुन्दर्जे जैल। ——

वजि हो कि मौजा कुण्ड
का फाइनल सर्वे नहीं हुआ
है इसलिए बख्शीश नामां
पर खाता-प्लौट दर्ज नहीं है।

मौजा	खाता नं०	तौजी नं०
कुण्ड	१६०	93

सर्वे नं०	नगर पालीका वार्ड नं०
१०४	13 (तेरह)

रकबा शम-
बख्शीश
९० - डि०
0 - 02 ¼ - (सवा दो डिसमील)
जिस में याने क्षेत्रफल लगभग - 30×30 है।
कुल याने - ९०० वर्ग फीट लगभग है।

सही सुहागिन देवी
द्वा. विश्राम (कुमार) [illegible]
27.1.03

[illegible]
27-1-03

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   R. 500

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

(४)

वर्तमान चौहद्दी शम पश्चीश

उत्तर :- मकान सन्तकुमार सिंह।

दक्षीण :- नीज रास्ता ८ (आठ) फीट चौड़ा उत्तर से दक्षीण, बादहू मकान स्व० देयावन्त सहाय वकील।

पुरब — मकान श्री विजय कृष्ण माने लेख्यधारी।

पश्चीम — नीज मकान लेख्यकारीणी श्रीमति सुहागीन देवी।

माल गुजारी सालाना :- मो० - ०-५० पचास पैसा अलावे शेष।

नाममालीक :- झारखण्ड सरकार वजरीए अंचल पदाधिकारी सदर डालटनगंज (पलामू)

विदीत हो कि एक कच्चा-मकान खपड़ा पोश को जारी कुल रकबा ७ सात कट्ठा का खरीदगी केवाला नं० - ३६५ दिनांक - २९-१-५३ ई० से स्वयं हासील लेख्यकारीणी - ने किया वो तब से अभी तक उपर दर्ज सम्पत्ति पर लेख्यकारीणी वो वारीशान लेख्यकारीणी कब्जे - दखल

सही सुहागिन देवी
द्वा. विमल किशोर सहाय
दि. २७.०१.०३

सही - विजय कृष्ण
पखवाड़े कहीं किया
२७-०१-०३

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

में चली आती (५) है जो है।
लेख्यकारिणी अब काफी वृद्ध हो गई है और वृद्धा के कारण अपना स्वयं का काम जरूरी किसी प्रकार किया लेती है, लेख्यकारिणी का निगरानी जो पूरा हिफाजत का ख्याल जो सेवा-टहल जो दवा इलाज लेख्यधारि करते हैं और लेख्यधारि के सेवा-टहल जो फरमा बरदारि से लेख्यकारिणी काफी खुश रही है जो रहती है।

लेख्यकारिणी ने यह दिल से ख्वाहिश किया कि लेख्यधारि के सेवा-टहल इत्यादि के एवज में अपने बारी के कुछ अंश लेख्यधारि श्री विजय कृष्ण जो लेख्यकारिणी का अपना पुत्र है अपने जिन्दगी में बख्शीश कर दूं, लेख्यकारिणी अपने इस मंशा को अपने परिवार में जाहिर किया इति उन लोग जो लेख्यधारि ने भी अच्छा माना साथ है लेख्यधारी शम बख्शीश लेना कबूल-मंजूर किए

सही सुहागिन देवी
द्वा. विमल किशोर दास
27.01.03

10Rs.

(६)

को सबूत में इसके शम बक्शीश पर अपना सही को कबूली बना दिये।

लेख्यकारिणी अपनी इच्छा से अपने तन व मन की पुरी स्वच्छता में बिना किसी लाचारी या दबाव फुसलाव इत्यादि के अच्छी तरह से सोच - समझ कर लेख्यधारि के सेवा - टहल इत्यादि से प्रसन्न होकर लेख्यकारिणी अपने जिन्दगी में ही आज के तारीख से शम बक्शीश खाना नम्बर ५ (पांच) में दर्ज सम्पति लेख्यधारि श्री विजय कृष्णा को बक्शीश करती हूँ वो लेख्यधारि भी बक्शीश लेना स्वीकार किया। लेख्यकारिणी सम्पति शम बक्शीश खाना नं ५ (पांच) पर कब्जा - दखल को मालीक आज के तारीख से लेख्यधारी को गरदाना, चाहिए कि इसके उपर कब्जा - दखल को मालीक होकर मकान बनावें या जैसा चाहें अपने

ह० सुहागिन देवी

ह० विमल किशोर
27.01.03